National Judgement Writing Competition 2024

पंच परमेश्वर की कहानी से सीखें न्याय और निष्पक्षता

भास्कर समाचार सेवा

• सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस बिंदल ने दिया संबोधन

देहरादून। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश बिंदल ने इक्फाई विवि में छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें न्याय एवं कानूनी पेशे में सफलता के मंत्र दिए। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता के अंतिम सत्र में बोलते हुए न्यायमूर्ति बिंदल ने कहा कि आज के दौर में विधि व्यवसाय का परिवेश काफी हद तक बदल चुका है, जहां एक और डिजिटलीकरण ने न्यायालय की प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर दिया है वहीं छात्रों को भी अब आसानी से इन्टरनेट पर विधिक सामग्री उपलब्ध हो जाती है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने मुंशी प्रेमचन्द्र की कहानी पंच परमेश्वर का जिक्र करते हुए कहा कि छात्रों को इस कहानी से न्याय एवं निष्पक्षता की सीख लेनी चाहिए। विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचने के बाद लॉ विभाग के डीन प्रोफेसर (डॉ) तपन कुमार चंदोला ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया जिसके बाद न्यायमूर्ति ने एक पौधारोपण भी किया। सभागार में इक्फाई विवि के कुलसचिव डॉ रमेश चन्द्र रमोला एवं एसोसिएट डीन डॉ मोनिका खरोला ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम के अंत में प्रतिगिता का परिणाम घोषित किया गया एवं विजेताओं को मैडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर समन्वयक डॉ सुनील कुमार ने विजेता छात्रों को बधाई दी। इसके अतिरिक्त विवि से संजीव बिष्ट, सहायक प्रोफेसर डॉ राजीव भारतीय ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, डॉ अभिषेक राज, नवमी जोशी सहित छात्र मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस बिंदल का स्वागत करते विवि के प्रतिनिधि।